विषय-सूची

		पृष्ठ संख्या
प्रथम अध्यायः प्रस्तावना		**1-7**
1.1	भूमिका	1-2
1.2	अध्ययन का महत्व	2
1.3	अध्ययन का सीमांकन	2
1.4	अध्ययन का शीर्षक	3
1.5	अब तक हुए शोधकार्य	3-6
1.6	अध्ययन का उद्देश्य	6-7
1.7	अध्ययन की व्यवह्रत पद्धति	7
द्वितीय अध्यायः व्यक्तित्व एवं कृतित्व		**8-49**
2.1	विद्यापति के व्यक्तित्व एवं कृतित्व	8-25
	2.1.1 विद्यापति का व्यक्तित्व	8-17
	2.1.1.1 जन्म एवं माता-पिता	8-11
	2.1.1.2 वंश परिचय	11-12
	2.1.1.3 शिक्षा-दीक्षा एवं गुरु	12-13
	2.1.1.4 कर्मजीवन	13-14
	2.1.1.5 विवाह एवं परिवार	14
	2.1.1.6 उपाधियाँ	15
	2.1.1.7 मृत्यु	15-17
	2.1.2 विद्यापति का कृतित्व	17-25
	2.1.2.1 संस्कृत रचनाएँ	17-23
	2.1.2.2 अवहट्ट रचनाएँ	23-24

2.1.2.3 मैथिली रचनाएँ 24-25

2.2 शंकरदेव के व्यक्तित्व एवं कृतित्व 25-44

2.2.1 शंकरदेव का व्यक्तित्व 25-34

2.2.1.1 जन्म एवं माता-पिता 25-28

2.2.1.2 वंश परिचय 28-29

2.2.1.3 शिक्षा-दीक्षा एवं गुरु 30-31

2.2.1.4 विवाह एवं परिवार 31-32

2.2.1.5 कर्मजीवन 32-34

2.2.1.6 उपाधियाँ 34

2.2.1.7 मृत्यु 34

2.2.2 शंकरदेव का कृतित्व 34-44

2.2.2.1 असमीया रचनाएँ 36-39

2.2.2.2 ब्रजावली रचनाएँ 40-43

2.2.2.3 संस्कृत रचनाएँ 43-44

2.3 निष्कर्ष 44-48

तृतीय अध्यायः 'पदावली' और 'कीर्तन-घोषा' एक विवेचन 50-96

3.1 कथ्य और शिल्प की दृष्टि से 'पदावली' का विवेचन 50-65

3.1.1 कथ्य की दृष्टि से 'पदावली' का विवेचन 50-60

3.1.2 शिल्प की दृष्टि से 'पदावली' का विवेचन 60-65

3.2 कथ्य और शिल्प की दृष्टि से 'कीर्तन-घोषा' का विवेचन 65-93

3.2.1 कथ्य की दृष्टि से 'कीर्तन-घोषा' का विवेचन 65-85

3.2.2 शिल्प की दृष्टि से 'कीर्तन-घोषा' का विवेचन 85-93

3.3 निष्कर्ष 93-95

चतुर्थ अध्यायः भक्ति का स्वरूप एवं 'पदावली' और 'कीर्तन-घोषा' में चित्रित भक्ति भावना **97-132**

4.1 भक्ति का स्वरूप 97-102

4.1.1 भक्ति की परिभाषा 97-100

4.1.2 भक्ति के भेद 100-102

4.2 'पदावली' और 'कीर्तन-घोषा' में चित्रित भक्ति भावना 103-127

4.2.1 'पदावली' में चित्रित भक्ति भावना 103-117

4.2.2 'कीर्तन-घोषा' में चित्रित भक्ति भावना 117-127

4.3 तुलनात्मक विश्लेषण 127-128

4.4 निष्कर्ष 129-130

पंचम अध्यायः शृंगार का स्वरूप एवं 'पदावली' और 'कीर्तन-घोषा' में निहित शृंगार भावना **133-186**

5.1 शृंगार का स्वरूप 133-137

5.1.1 शृंगार की परिभाषा 133-135

5.1.2 शृंगार के भेद 135-137

5.2 'पदावली' और 'कीर्तन-घोषा' में चित्रित शृंगार भावना 137-182

5.2.1 'पदावली' में चित्रित शृंगार भावना 137-161

5.2.2 'कीर्तन-घोषा' में चित्रित शृंगार भावना 161-182

5.3 तुलनात्मक विश्लेषण 182-184

5.4 निष्कर्ष 184-185

षष्ठ अध्यायः स्थापना एवं निष्कर्ष **187-195**

ग्रंथ सूची **196-198**